माँ

अर्चना गौड, एम.ए.,बी.एड;
धनौरी, हरिद्वार

हुई लड़की पैदा घर में,
शोक दिलों में फैल गया
दादा का क्या, दादी का क्या
अरमान दिल में रह गया
चाहा था क्या और क्या हो गया
अंधियारा घर में फैल गया
जैसे-कैसे वो बड़ी हुई
चंदा के जैसी सुन्दर थी
शिक्षा-दीक्षा थी दूर की बात
चूल्हा–चौका था उसका काम
चार दीवारी में उसका
सारा संसार ही बसता था
पाने को माँ–बाप की ममता
दिल उसका हरदम तरसता था
हुई परेशां संकल्प लिया
मन में उसने यें करने का
अपनी बेटी को वो सब दूँगी
जो मुझको कभी न मिल सका
हो गया ब्याह पराई हुई
ससुराल के हाथों सौंपी गई
लगभग एक साल के बाद
वो गर्भवती भी हो गई
फिर बीते समय के साथ
एक अंकुर का एहसास हुआ
लड़की होगी या होगा लड़का
सोच के मन उदास हुआ
बच्चे की हर प्रतिक्रिया पर
वो मन में पुलकित होती थी
अपने मन के हर कोने से
वो पल-पल हर्षित होती थी

देखे सपने बच्चे के लिए
उसने हर क्षण नए-नए
मैं ये करूँगी मैं वो करूँगी
बच्चे के उज्जवल भविष्य के लिए
सास बोली अस्पताल को जा
ये है कौन पता तो लगा
बेटी है या बेटा है ये
इस भ्रम को दूर कराके आ
हुआ चैकअप और पता चला
बेटी है ये नहीं बेटा
बेटी तो है जिम्मेदारी
हमें चाहिए बस 'बेटा'
विकराल रूप सासू माँ का
मन उसका डगमगाने लगा
परिवर्तित हुई विचारधारा
बेटे का मोह आने लगा
सोचा कल ही जाऊँगी
इसका नामो निशां मिटाऊंगी
तभी आई उसको आवाज
उस बच्ची का करूण विषाद
बचाओ-बचाओ ओ माँ मुझको
इस दुनिया के हाथों से
चाहते नहीं जो मेरा आना
इन पापी जल्लादों से
सुनी नहीं उसने उसकी
वो करूण और दयनीय पुकार
बेटी पैदा नहीं करनी है
उस पर था ये भूत सवार
आई सुबह लेकर के अंत
उस बच्ची के जीवन का

हो सकती थी जो कुल की रोशनी
उस दीप की उस लौ का
रात को उसने देखा सपना
उस बच्ची के रोने का
कह रही थी वो चिल्लाकर
माँ तूने ये क्या कर दिया
हाय । तूने ये क्या कर दिया
जीवन मुझको क्यों ना दिया?
आखिर तू भी लड़की थी
तुझको ये जीवन तो मिला
मुझको तो वो भी ना दिया
क्या बेटा ही सब कुछ है
बेटी का कोई मूल्य नहीं
तू क्या जाने माता जग में
नारी के कोई तुल्य नहीं
पर तूने घोर अपराध किया
नारी जाति का अपमान किया
दिल था तुझमें एक नारी का
वो पत्थर कैसे बना लिया
कहाँ गई वो तेरी ममता
जो ममता ना कहला सकी
कैसी मेरी माता है तू
जो मुझको हक ना दिला सकी
आखिर मैं भी खून थी तेरा
एक प्यारा सा फूल थी तेरा
मुझको क्यों ना खिलने दिया
पहले ही क्यों तोड़ दिया
हाय! तूने क्या कर दिया
हाय! तूने क्या कर दिया।